

30/3/20

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक 19/6/20 को पेश हो।

19/6/20

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक 7/8/20 को पेश हो।

7/8/20

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक 22/9/20 को पेश हो।

22/9/20

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक 12/11/20 को पेश हो।

12/11/20

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक 1/3/21 को पेश हो।

13/1/21

पत्रावली आज पेश हुई। वकील प्रार्थी अनु०।
वकील प्रार्थी को उपस्थित हेतु एक अवसर
दिनांक 14/10/2016 को पेश किया गया।
पेश हो। @panaj

पत्रावली पेश पीठाधीन अधिकारी अपेक्षा पर है।
दोरे पर है। दोरे में व्यक्त है। अतः पत्रावली
दिनांक..... को पेश हो।

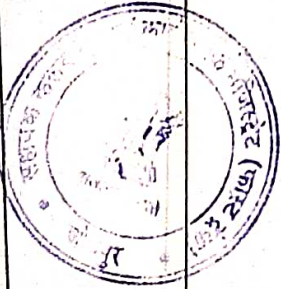
23/1/21

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी अनुपास्थित।
एस्तगत अस्थाई निवेदन का मा पत्र प्रार्थीगण
द्वारा दिनांक 14.10.2016 को पेश किया गया।

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

आज दिनांक तक कोर्ट अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नही की गई व फ्रावली के अवलोकन के प्रतीत होता है की प्रार्थीगण द्वारा अस्थाई निषेधाज्ञा हेतु कोर्ट निवेदन भी नही किया गया अस्थाई निषेधाज्ञा का एक खारिज उपचार है परन्तु विगत 4 वर्षों से प्रार्थीगण द्वारा अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने हेतु कोर्ट प्रयास नही करा जाना प्रतीत होता है। प्रार्थी वकील आज भी अनुपस्थित। अतः प्रार्थीगण का अस्थाई निषेधाज्ञा का मा पत्र खारिज किया जाता है। फ्रावली फौजदारी नुमांदा होकर नम्बर स्क से कम होकर संलग्न मूल पत्रावली हो।



@pawal

गजिस्ट्र (फौजदारी) जोधपुर